

ग्रमाधा रण

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3---उप**स**ण्ड**क**(i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₩ 5]

नई बिल्ली, बुपबार, जनवरी 2, 1974/पौष 12, 1895

NO. 5]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 2, 1974/PAUSA 12, 1895

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संध्या दी जाती हैं जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा का सक।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (Legislative Department)

ORDER

New Delhi. the 2nd January 1974

THE NORTH-EASTERN AREAS (REORGANISATION) (ADAPTATION OF LAWS ON UNION SUBJECTS) ORDER, 1074

G.S.R. 7(E).—Whereas by section 79 of the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), the Central Government is empowered, by order, to make such adaptations and modifications in any law relating to a matter in List I in the Seventh Schedule to the Constitution,

as may be necessary or expedient for the purpose of facilitating the application of such law in relation to the States and Union territories formed or established by the provisions of Part II of the said Act;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the said section 79, the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

- 1. (1) This Order may be called the North-Eastern Areas (Reorganisation) (Adaptation of Laws on Union Subjects) Order, 1974.
- (2) It shall be deemed to have come into force on the 21st day of January, 1972.
- 2. The General Clauses Act, 1897, applies for the interpretation of this Order as it applies for the interpretation of a Central Act.
- 3. The laws mentioned in the Schedule to this Order shall, until altered, repealed or amended by a competent Legislature or other competent authority, have effect subject to the adaptations and modifications directed by that Schedule.

THE SCHEDULE

THE INDIAN STAMP ACT, 1899

(2 of 1899)

Section 57.—In sub-section (1), for clause (c), substitute—

"(c) if it arises in the Union territory of Arunachal Pradesh or Mizoram, to the Gauhati High Court (the High Court of Assam, Nagaland, Meghalaya, Manipur and Tripura);".

THE DESIGNS ACT, 1911 (2 OF 1911)

Section 2.—In clause (7), for sub-clause (c), substitute—

"(c) in relation to the Union territory of Arunachal Pradesh or Mizoram, the Gauhati High Court (the High Court of Assam, Nagaland, Meghalaya, Manipur and Tripura);".

THE RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934 (2 of 1934)

The First Schedule.-For paragraph 2, substitute-

"2. The Eastern Area shall consist of the States of Assam, Meghalaya, Nagaland, West Bengal. Bihar, Orissa, Manipur and Tripura and the Union territories of Arunachal Pradesh, Mizoram and the Andaman and Nicobar Islands.".

THE ASSAM RIFLES ACT, 1941 (5 OF 1941)

Section 2.—For clause (3), substitute—

'(3) "District Magistrate" includes a Deputy Commissioner;

THE IMMIGRANTS (EXPULSION FROM ASSAM) ACT, 1950 (10 of 1950)

Section 3.—In clause (b), for "Government of Assam", substitute "Government of Assam, Meghalaya".

Section 7.—For "the State of Nagaland", substitute "the States of Meghalaya and Nagaland and the Union territories of Arunachal Pradesh and Mizoram."

THE REPRESENTATION OF THE Prople Act, 1950 (43 of 1950)

Section 2.—(1) Omit clause (ff).

- (2) For clause (i), substitute-
 - '(i) "State" includes a Union territory;'.

Section 4.—In sub-section (1), for "the part B tribal areas", substitute "the Union territory of Arunachal Pradesh".

THE REPRESENTATION OF THE PEOPLE ACT, 1951 (43 of 1951)

Section 4.—In the opening portion, for "the Part B tribal areas", substitute "the Union territory of Arunachal Pradesh".

Section 5.—In clause (b), omit "other than a seat the constituency for which comprises the cantonment and municipality of Shillong".

THE WEALTH-TAX ACT, 1957

(27 OF 1957)

Section 29B.--For clause (iii), substitute-

"(iii) in relation to the Union territories of Arunachal Pradesh and Mizoram, the Gauhati High Court (the High Court of Assam, Nagaland, Meghalaya, Manipur and Tripura);".

THE GIFT-TAX ACT, 1958 (18 of 1958)

Section 28B.—For clause (m), substitute—

"(iii) in relation to the Union territories of Arunachal Pradesh and Mizoram, the Gauhati High Court (the High Court of Assam, Nagaland, Meghalaya, Manipur and Tripura);".

18 of 1971

THE INCOME-TAX ACT, 1961

(43 of 1961)

Section 10.—For clause (26), substitute—

"(26) in the case of a member of a Scheduled Tribes as defined in clause (25) of article 366 of the Constitution, residing in any area specified in Part I or Part II of the Table appended to paragraph 20 of the Sixth Schedule to the Constitution or in the States of Nagaland, Manipur and Tripura or in the Union territories of Arunachal Pradesh and Mizoram or in the areas covered by notification No. TAD/R/35/50/109, dated the 23rd February, 1951, issued by the Governor of Assam under the proviso to sub-paragraph (3) of the said paragraph 20 [as it stood immediately before the commencement of the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971] any income which accrues or arises to him,—

- (a) from any source in the areas, States or Union territories aforesaid, or
 - (b) by way of dividend or interest on securities;".

Section 269.—For clause (iii), substitute—

"(iii) in relation to the Union territories of Arunachal Pradesh and Mizoram, the Gauhati High Court (the High Court of Assam, Nagaland, Meghalaya, Manipur and Tripura);".

THE WAREHOUSING CORPORATIONS (SUPPLEMENTARY) ACT, 1965

(20 of 1965)

The Schedule .—For "Assam." substitute "Assam, as it existed immediately before the 21st January, 1972.".

THE PATENTS ACT, 1970

(39 of 1970)

Section 2.—In sub-section (1), in clause (i), for sub-clause (ii), sub-stitute—

"(ii) in relation to the Union territory of Arunachal Pradesh and the Union territory of Mizoram, the Gauhati High Court (the High Court of Assam, Nagaland, Meghalaya, Manipur and Tripura);".

> [No. F. 19(1)/72-LI. VOLII] K. K. SUNDARAM, Secy.

विधि, त्याय भ्रोर कस्पती कार्य पंत्रालय

प्रादेश

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1974

पर्वेतिरक्षेत्र (पतथठन) (सघ के विषयों से सम्बक्षित विधियों का प्रनुकुलन)

भादेश 1974

भी०एस०भाए०नं० 7 (भ) - गतः पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) श्राधिनयम, 1971 (1971 का 81) की धारा 79 द्वारा, केन्द्रीय सरकार, संविधान की मप्तम अनुसूची की मूची 1 में के किसी विषय से सम्बन्धित किसी विधि में ऐसे अनुकूलन और उपान्तर करने के लिए, धादेश द्वारा, सशक्त की गई है, जो उक्त श्राधिनियम के भाग 2 के उपबन्धों द्वारा बनाये गये या स्थापित किये गये राज्यों और संव राज्यक्षेत्रों से सम्बन्धित ऐसी विधि का लागू किया जाना सुकर बनाने के प्रयोजन के लिए आवश्यक या समीचीन हो;

श्रतः श्रव, उक्त धारा 79 द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्न-लिखित श्रावेश करती है, श्रथति :—

- (1) इस आदेश का नाम पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) (संघ के विषयों मे सम्बन्धित विद्यियों का अनुकूलन) आदेश, 1974 है।
 - (2) यह घादेश 21 जनवरी, 1972 से प्रशृत हुआ ममना जाएगा।
- साधारण खण्ड प्रिविनियम, 1897, इस प्रादेश के निर्वचन के लिए वैसे ही लागू होगा जैसे वह किसी केन्द्रीय प्रिधिनियम के निर्वचन के लिए लागू होता है।
- 3. इस श्रादेश की धनुसूची में उल्लिखित विधियां, जब तक कि वे किसी सक्षम विधानमण्डल या श्रन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा परिवर्तित, निरसित या संशोधित न कर दी जाएं, उस धनुसूची द्वारा विदिग्ट धनुकूलनों और उपान्तरों के श्रधीन रहते हुए प्रभावी होंगी।

श्रनुसू ची

भारतीय स्टाम्प ग्रिष्ठिनियम, 1899

(1899 新 2)

भारा 57--उपधारा (1) मे, खण्ड (ग) के स्थान पर, निम्नलिखित रखे ---

"(ग) यदि यह ग्ररुणाचल प्रदेश या मिजोरम संघ राज्यक्षेत्र में उठे तो, गौहाटी उच्च न्यायालय (ग्रसम, नागालैण्ड, मेघालय, मणिपुर ग्रीर विप्रा उच्च न्यायालय)को;"।

डिजाइन ग्रधिनियम, 1911

(1911年12)

भारा 2--- खण्ड (7) में, उपखण्ड (ग) के स्थान पर, निम्नलिखस रखें ---

"(ग) श्वरुणाचल प्रदेश या मिजोरम संघ राज्यक्षेत्र के सम्बन्ध में, गौहाटी उच्च न्यायालय (ग्रमम, नागालेण्ड, मेघालय, मणिपुर ग्रौर ह्निपुरा उच्च न्यायालय);"।

भारतीय रिजर्व बैंक ग्रिशिनियम, 1934 (1934 का 2)

प्रथम प्रतृतुची.-- पैरा 2 के स्थान पर, निम्नलिखित रखें :--

"2 पूर्वी क्षेत्र, श्रसम, मेवालय, नागालंग्ड, पश्चिमी वंगाल, बिहार, उड़ीसा, मणिपुर भौर तिपूरा राज्यों तथा श्रकणाचल प्रदेश, मिओरम श्रीर धण्डमान, श्रीर निकोबार द्वीप संध राज्य क्षेत्रों में मिलकर बनेगा;"।

भसम राइकंच ग्रिधिनियम, 1941 (1941 का 5)

भारा 2- खण्ड (3) के स्थान पर, निम्नलिखित रखें .---

'(3)" जिला मजिस्ट्रेट" के भ्रन्तर्गत उपाय्कत भी है; ।

माप्रवासी (ग्रसम से निष्कासन) ग्रिधिनियम, 1950 (1950 का 10)

षारा 3-- खण्ड (ख) में, ''ग्रसम या नागालैण्ड भरकार '' के स्थान पर, ''ग्रसम, मेघालय या नागालैण्ड सरकार'' रखे ।

धारा 7—"नागालैण्ड राज्य " के स्थान पर, मेपालय ग्रीर नागालैण्ड राज्यों तथा श्ररूणाचल प्रदेश ग्रीर मिजोरम संव राज्य क्षेत्रों" रखें।

> लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1950 (1950 का 43)

भारा 2:--- (1) खण्ड (चच) का लोप करें।

(2) खण्ड, (झ) के स्थान पर, निम्नलिखित रखें ---

'(झ) ''राज्य'' के अन्तर्गत कोई भी संघ राज्य क्षेत्र आता है; '।

भारा 4—जनधारा (1) में, "भाग ख जनजाति क्षेत्रों" के स्थान पर, "भ्ररुणाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्र " रखें।

लोक प्रतिनिधित्व घिधिनियम, 1951 (1951 का 43)

भारा 4---प्रारम्भिक भाग में, "भाग ख जनजाति क्षेत्रों" के स्थान पर, "ग्रहणाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्र" रखें।

भारा 5---खण्ड (ख) में, "शिलांग की छावनी और नगरपालिका को समाविष्ट करने वासे मिर्वाचन-क्षेत्र के लिए स्थान से भिन्न का लोप करें।

चन-कर स्रधिनियम, 1957

(1957 南 27)

बारा 29 ख -- खण्ड (iii) के स्थान पर, नि∓नलिखित रखें '---

"(iii) ग्रहणाचल भीर भिजारम सघ राज्यजेत्रों के सम्बन्ध में, गौहाटी उच्च न्यायालय (भ्रथम नागानैण्ड मेधालय, मिलपुर श्रार त्रिपुरा उच्च न्यायालय) , "।

> दान-कर ग्रिधिनियम, 1958 (1958 का 18)

थारा 28 स. -- खण्ड (iii) के स्थान पर, निम्नलिखित रखें ---

"(iii) श्ररूणाचल प्रदेश स्रोर सिजोरम सब राज्यक्षेत्रो के सम्बन्ध मे, गौहाटी उच्च न्यायालय (श्रमन,नागालण्ड मेवालय,मणिवूर स्रोर त्रिपुरा उच्च न्यायालय),"।

> श्राय-कर श्रिघिनियम, 1961 (1961का 43)

भारा 10 -- खण्ड (26) के स्थान पर, निम्त्रलिखिन रखें --

- "(26) सिवधान के अनुच्छेद 366 के खण्ड (25) मे यथापरिमाषित अनुमूचित जनजाति के ऐसे सदस्य की दणा में, जो सिवधान की षष्ठ अनुसूची के पैरा 20 से मलग्न सारणी के भाग 1 या भाग 2 में िनिदिष्ट किसी क्षेत्र में या नागालण्ड, मणिपुर और त्रिपुरा राज्यों में या अरूणाचल प्रदेश और मिजोरम संघ राज्यक्षेत्रों में या उक्त पैरा 20 के उप-पैरा (3) ने परन्तुक जिंमा कि वह पूर्वीत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) अधितयम, 1971 (1971 का 81) के प्ररम्भ होने के ठोक पूर्व विद्यमान था] के अधीन असम के राज्यपाल हारा जारी की गई अधिसूचना स० टी ए डो/ आर/35/50/109, नारीख 23फरवरी, 1951 के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्रों में निवास कर रहा है, कोई ऐसी आय जो उसको ——
 - (क) पूर्वोक्त क्षेत्रो, राज्यो या सध राज्यक्षेत्रो मे किसी स्रोत मे प्रोद्भृत या उद्भृत होती है. अथवा
- (ख) प्रतिभृतियो पर लाभाण या ब्याज क तौर परप्रोद्भृतया उद्भृतहोती है, "।
 भा 1269 अण्ड (iii) के स्थान पर, निम्निखित रखें
 - ''(iii) ग्ररूणाचल प्रदेश श्रौर मिजोरम सघ राज्य क्षेत्रो के सम्बन्ध में, गौहाटी उच्च न्यायालय (श्रसम, नागालैण्ड मेघालय मणिपुर श्रौर विपुरा उच्च न्यायालय), "।

भाण्डागार निगम (स्रनुपूरयः) श्रिधिनियम. । 965 (196 5का 20)

श्रत्भूको — "प्रमम 'क स्थान पर " श्रसम, जैसा कि यह 21 जनवरी, 1972 के ठीक पूर्व विद्यमान था " रखें। पेटेन्ट ग्रधिनियम. 1970 (1970का 39)

भारा 2. — उपघारा (1) में, खण्ड (झ) में,उपखण्ड (ii) के स्थान गर, निम्निसिखित रखे— "(ii) श्ररूणाचल प्रदेश संघ राज्यक्षेत्र श्रीर मिजोरम संघ राज्यक्षेत्र के सम्बन्ध में, गौ हाटी उच्च स्थायास्थ (श्रसम, नागालैण्ड, मेघालय, मणिपूर श्रीर तिपुरा उच्च न्यायास्य);"।

> [स॰ फा॰ 19 (1)/72-एस॰ ग्राई॰ बास॰ II] के ॰ के॰ सूदरम, सचिव।